

श्रीवेङ्कटेश्वराष्टोत्तरशतनामावली ब्रह्मांडपुराणे

{॥ श्रीवेङ्कटेश्वराष्टोत्तरशतनामावली ब्रह्मांडपुराणे ॥}

ॐ श्री वेङ्कटेशाय नमः

ॐ श्रीनिवासाय नमः

ॐ लक्ष्मीपतये नमः

ॐ अनामयाय नमः

ॐ अमृतांशाय नमः

ॐ जगद्वन्द्याय नमः

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ शाश्वताय नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ शेषाद्रिनिलयाय नमः ॥ १० ॥

ॐ देवाय नमः

ॐ केशवाय नमः

ॐ मधुसूदनाय नमः

ॐ अमृताय नमः

ॐ माधवाय नमः

ॐ कुन्नाय नमः

ॐ श्रीहरये नमः

ॐ ज्ञानपञ्जराय नमः

ॐ श्रीवत्सवम्भसे नमः

ॐ सर्वेशाय नमः ॥ २० ॥

ॐ गोपालाय नमः

ॐ पुरुषोत्तमाय नमः

ॐ गोपीश्वराय नमः

ॐ परंज्योतिषये नमः

ॐ वैकुण्ठपतये नमः

ॐ अव्यायाय नमः

ॐ सुधातनवे नमः

ॐ यादवेन्द्राय नमः

ॐ नित्ययौवनरूपवते नमः

ॐ चतुर्वेदात्मकाय नमः ॥ ३० ॥

ॐ विष्णवे नमः

ॐ अक्षुताय नमः

ॐ पद्मिनीप्रियाय नमः

ॐ धरापतये नमः

ॐ सुरपतये नमः

ॐ निर्मलाय नमः

ॐ देवपूजिताय नमः

ॐ चतुर्भुजाय नमः

ॐ चक्रधराय नमः

ॐ त्रिधाम्ने नमः ॥ ४० ॥

ॐ त्रिगुणाश्रयाय नमः

ॐ निर्विकल्पाय नमः

ॐ निष्कलङ्काय नमः

ॐ निरन्तरकाय नमः

ॐ निरञ्जनाय नमः

ॐ निराभासाय नमः

ॐ नित्यतृप्ताय नमः

ॐ निरुपद्रवाय नमः

ॐ गदाधराय नमः

ॐ सारङ्गपाणये नमः ॥ ५० ॥

ॐ नन्दकिने नमः

ॐ शङ्खधारकाय नमः

ॐ अनेकमूर्तये नमः

ॐ अव्यक्ताय नमः

ॐ कटिहस्ताय नमः

ॐ वरप्रदाय नमः

ॐ अनेकात्मने नमः

ॐ दीनबांधवे नमः

ॐ आर्तलोकान्नप्रदाय नमः

ॐ आकाशराजवरदाय नमः ॥ ६० ॥

ॐ योगिहृत्पद्ममन्दिराय नमः

ॐ दामोदराय नमः

ॐ जगत्पालाय नमः

ॐ पापघ्नाय नमः

ॐ भक्तवत्सलाय नमः

ॐ त्रिविक्रमाय नमः

ॐ शिशुमाराय नमः

ॐ जटामकुटशोभिताय नमः

ॐ शङ्कमद्योल्लसन्मूर्त्तिकङ्कण्यद्वयकरकन्दकाय नमः

ॐ नीलमेघश्यामतनवे नमः ॥ ७० ॥

ॐ विभ्रपत्रार्चनप्रियाय नमः

ॐ जगद्व्यापिने नमः

ॐ जगत्कर्त्रे नमः

ॐ जगत्साम्निने नमः

ॐ जगत्पतये नमः

ॐ चिन्तितार्थप्रदाय नमः

ॐ जिह्मवे नमः

ॐ दाशरथाय नमः

ॐ दशरूपवते नमः

ॐ देवकीनन्दनाय नमः ॥ ८० ॥

ॐ शौरये नमः

ॐ हयग्रीवाय नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ कन्याश्रवणतारेज्याय नमः

ॐ पीताम्बरधराय नमः

ॐ अनघाय नमः

ॐ वनमालिने नमः

ॐ पद्मनाभाय नमः

ॐ मृगयासक्तमानसाय नमः

ॐ अश्वारूढाय नमः ॥ ९० ॥

ॐ खड्गधारिणे नमः

ॐ धनार्जनसमूहसूकाय नमः

ॐ घनसारसगुह्यकस्तूरी तिलकोद्भूलाय नमः

ॐ सच्चिदानन्दरूपाय नमः

ॐ जगन्मङ्गलदायकाय नमः

ॐ यङ्गरूपाय नमः

ॐ यङ्गभोज्जे नमः

ॐ चिन्मयाय नमः

ওঁ পরমেশ্বরায নমঃ

ওঁ পরমার্থপ্রদায়কায নমঃ ॥ ১০০ ॥

ওঁ শাংতায় নমঃ

ওঁ শ্রীমতে নমঃ

ওঁ দোর্দংডবিক্রমায নমঃ

ওঁ পরাংপরায় নমঃ

ওঁ পরব্রহ্মণে নমঃ

ওঁ শ্রীবিভবে নমঃ

ওঁ জগদীশ্বরায নমঃ

ওঁ শেষশৈলায নমঃ

ইতি শ্রী ব্রহ্মাংড পুরাণানাংতর্গত শ্রী বেঙ্কটেশ্বর অষ্টোত্তর শতনামাবলি সম্পূর্ণম্

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated ত্রুoday

<http://sanskritdocuments.org>

Venkateshwara Ashtottara Shatanamavali 2 Lyrics in Bengali PDF

% File name : venkat108ver3brahmANDa.itx

% Category : aShTottaraShatanAmAvallI

% Location : doc_vishhnu

% Author : Traditional

% Language : Sanskrit

% Subject : philosophy/hinduism/religion

% Transliterated by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com

% Proofread by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com
% Latest update : July 16, 2012
% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
% Site access : <http://sanskritdocuments.org>
%
% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study
% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of
% any website or individuals or for commercial purpose without permission.
% Please help to maintain respect for volunteer spirit.
%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.
Please check their sites later for improved versions of the texts.
This file should strictly be kept for personal use.
PDF file is generated [October 13, 2015] at Stotram Website